web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 13

लाल आतंक का हों रहा सफाया,9 महीनों में मारे गए 188 नक्सली

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ के बस्तर में अब लाल आतंक का सफाया होते जा रहा है, पुलिस और सुरक्षा बलों की साझा रणनीति के तहत सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों के 30 से 32 किलोमीटर के दायरे में सुरक्षा कैम्प खोल दिया है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ही सुरक्षा कैंप खुलने से नक्सलवाद का दंश झेल रहे गांव के लोग मुख्यधारा से जुड़ पा रहे हैं। खासकर नियद नेल्लानार योजना के तहत स्थापित कैंपों के माध्यम से बंदूक के साथ-साथ विकास के जरिए भी युद्ध छिड़ा हुआ है।

यहां स्कूल-अस्पताल भवन, सडक़ बनने से न सिर्फ विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है बल्कि राज्य सरकार की तमाम योजनाएं गांव वासियों तक पहुंचनी शुरू हो गई है। कैंप खुलने के साथ ही गांव तक पक्की सडक़ों का निर्माण किया जा रहा है।

अविभाजित मध्य प्रदेश से इन घोर नक्सल क्षेत्रों के लोग शोषण, भ्रष्टाचार, और जुल्म का शिकार होते रहे। नक्सलियों पर नियंत्रण नहीं होने से यहां के निवासियों का भरोसा सरकारी तंत्र से उठ चुका था। इसके चलते ग्रामीणों के बीच नक्सलियों की पैठ अधिक मजबूत थी।

केंद्र से मिला साथ तो अर्धसैनिक बलों की साझा पहल

सुरक्षा कैंप बढ़ाने में केंद्र सरकार की महती भूमिका रही है। हाल में केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 4,000 से अधिक कर्मियों वाली चार बटालियनों को तैनात करने का निर्णय लिया है। इनमें कुछ जवान यहां पहुंच चुके हैं। बस्तर में 60 हजार से ज्यादा जवान सिर्फ नक्सलियों के खिलाफ चल रही लड़ाई के लिए तैनात हैं।

इनमें कांकेर में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ़), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी), नारायणपुर में आइटीबीपी, बीएसएफ, विशेष कार्य बल (एसटीएफ), कोंडागांव में आइटीबीपी, सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं।

इसी तरह दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा में एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं। साथ ही बस्तर के सभी जिलों में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), जिला बल, बस्तर फाइटर्स, बस्तरिया बटालियन भी सुरक्षा बलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिला के सीमाई क्षेत्र में सुरक्षाबल के साथ हुए मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे जा चुके हैं। इसे न केवल छत्तीसगढ़ के बल्कि देश के इतिहास में सबसे बड़ा एनकाउंटर माना जा रहा है। पिछले नौ महीनों में 188 नक्सली मारे गए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षाबलों के 250 कैंप और नियद नेल्लानार योजना (आपका अच्छा गांव) के तहत 58 नए कैंप स्थापित करने की रणनीति बनाई है। इसके साथ ही सामुदायिक पुलिसिंग का दायरा बढ़ाया गया है। ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के स्थानीय लोगों व पुलिस के बीच गहरी दोस्ती हो सके।

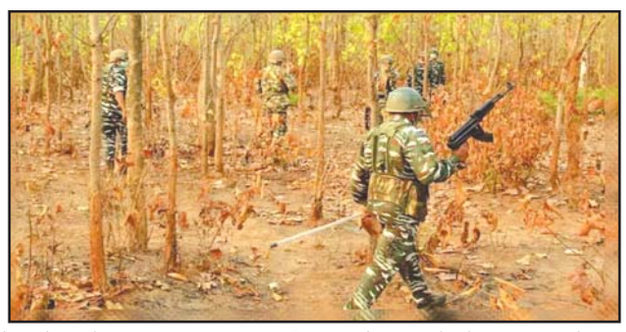

सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे ग्रामीण नक्सलियों के नेटवर्क से बाहर निकल रहे हैं। सरकार के प्रति स्थानीय लोगों का भरोसा बढऩे से सुरक्षा बलों का सूचना तंत्र मजबूत हुआ है। बड़े नक्सली नेताओं की उपस्थिति का पता चलते ही अभियानों को गति दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिला के सीमाई क्षेत्र में सुरक्षाबल के साथ हुए मुठभेड़ में अब तक 31 नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं। अब तक यह सबसे बड़ा ऑपरेशन है। आगे भी हम सुरक्षा कैंप खोलने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

नक्सल मोर्चे पर छत्तीसगढ़ सरकार बेहतर कार्य कर रही-अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने की छत्तीसगढ़ सरकार की प्रशंसा

नई दिल्ली में आज नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय की पीठ थपथपाई है। शाह ने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध अभियान को छत्तीसगढ़ में अच्छी सफलता मिल रही है। हमारी सरकार ने डिफेंसिव नीति को बदलकर आक्रामक नीति अपनाई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने विकास का नया अभियान चलाया है, छत्तीसगढ़ में गांव-गांव तक विकास पहुंचा है। छत्तीसगढ़ के कई गांव में इलेक्शन में पहली बार वोटिंग हुई है। इसके अलावा राज्य सरकार ने नक्सलियों के वित्तीय पोषण को भी रोका है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राज्य में चल रहे नक्सल ऑपरेशन और विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित हैं।

भविष्य की योजनाओं और लक्ष्य की दी जानकारी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सरकार की आगे की योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य नक्सलियों के बचे हुए गढ़ों को समाप्त करना और इन इलाकों में स्थाई शांति और विकास सुनिश्चित करना है। निकट भविष्य में, दक्षिण बस्तर में 29 नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना की जाएगी, ताकि नक्सलियों के प्रभाव को खत्म किया जा सके।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा केंद्र हरसंभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में हुए सफल ऑपरेशन की तारीफ करते हुए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

लैंड फॉर जॉब घोटाला मामला : लालू, तेजस्वी और तेजप्रताप यादव को मिली जमानत, पासपोर्ट करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली (आरएनएस)। लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में आरजेडी के प्रमुख लालू यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव को राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 1 लाख रुपए के मुचलके के साथ जमानत दे दी है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए भी कहा है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव और मीसा भारती एक ही टेबल पर एक साथ बैठे थे। कोर्ट को बताया गया कि समन की तामील करते हुए सभी आरोपी पेश हुए हैं। सभी आरोपीयों ने जमानत अर्जी दाखिल की है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 25 अक्टूबर को होगी। तेजस्वी यादव ने लैंड फॉर जॉब मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिलने के बाद कहा कि ये मामला राजनीतिक है। केस में कोई दम नहीं है, ये हमारे खिलाफ साजिश है। कोर्ट पर भरोसा है। उसने हमें जमानत दी है। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। रेलवे में ग्रुप डी की नौकरी के बदले जमीन लेने के कथित घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए 8 आरोपियों को समन जारी किया था। जांच एजेंसी ने चार्जशीट में 11 आरोपी बनाए थे, जिनमें से 3 आरोपियों की मौत हो चुकी है। आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद देश के रेल मंत्री थे, उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर रेलवे में ग्रुप डीकी भर्ती में कई लोगों को जमीन के बदले नौकरी पर लगवाया। इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी कर रही है। ईडी की ओर से दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को पेश होने का आदेश दिया था।

मशहूर बिजनेसमैन रतन टाटा की बिगड़ी तबीयत, मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती

मुंबई (आरएनएस)। भारत के प्रतिष्ठित उद्योगपति और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की तबीयत अचानक बिगडऩे के बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, रतन टाटा को रविवार रात सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत को देखते हुए उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। रतन टाटा के स्वास्थ्य की निगरानी एक विशेष मेडिकल टीम कर रही है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन अभी भी उन्हें आईसीयू में रखा गया है। उनकी मेडिकल रिपोर्ट्स का विश्लेषण किया जा रहा है और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

वायुसेना का एयर शो देखने पहुंची हजारों की भीड़, भगदड़ मचने से 5 लोगों की दम घुटने से मौत

चेन्नई । आरएनएस

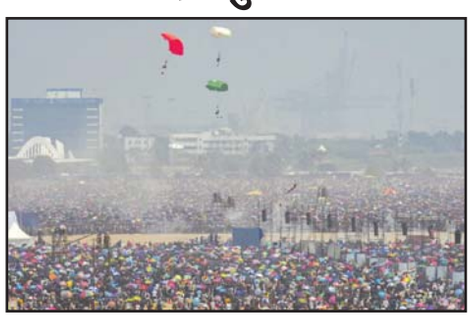

भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ के अवसर पर बहुप्रतीक्षित एयर शो रविवार को समाप्त हो गया। विपक्षी दलों और मीडिया के अनुसार मरीना बीच के सामने भीड़ में फंस गए पांच लोगों की दम घुटने और बेहोशी के कारण मौत हो गई है। लेकिन पुलिस और सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई, जिसमें कहा गया कि कार्यक्रम के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

विपक्षी पार्टी के बयानों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एयर शो के लिए समुद्र तट पर उमड़ी 15 लाख लोगों की भारी भीड़ में फंस गए पांच लोग बेहोश हो गए और उनका दम घुट गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई और कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री मा.सुब्रमण्यम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि कार्यक्रम के लिए सभी सुरक्षा इंतजाम किए गए थे और सरकार की ओर से कोई ढिलाई नहीं बरती गई। उनके एक पन्ने के बयान में और संपर्क करने पर किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया गया। सूत्रों ने यह भी कहा कि मौतों के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कोयला खदान में बड़ा धमाका, 7 मजदूरों की मौत; टुकड़ों में बंटे शव

कोलकाता । आरएनएस

पश्चिम बंगाल में बीरभूम जिले के वादुलिया में स्थित गंगारामचक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड कोलियरी में सोमवार को हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 7 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस और आपातकालीन सेवाएं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, कोयला क्रशिंग के दौरान हुए इस विस्फोट की वजह से खदान के अंदर मौजूद मजदूर फंस गए थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि कई मजदूरों के शव टुकड़े-टुकड़े हो गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विस्फोट की घटना असावधानी के कारण हुई हो सकती है।

यह खदान पीडीसीएल द्वारा लीज पर ली गई है और राज्य सरकार के अधीन आती है। विस्फोट से पहले यह जांच क्यों नहीं की गई कि खदान के अंदर कोई मजदूर है या नहीं, इस सवाल को लेकर स्थानीय लोगों में रोष है। घटना के बाद खनन प्राधिकार के अधिकारी मौके से चले जाने से संदेह और गहरा गया है। पुलिस इस मामले में साजिश की आशंका से भी जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों का इलाज जारी है।

स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया जा सकता है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को मुआवजे का ऐलान किया है। साथ ही, घायलों के इलाज का खर्च भी सरकार वहन करेगी।

गौरतलब है कि बीरभूम में यह पहला खनन हादसा नहीं है। कुछ दिन पहले ही एक अन्य खदान में धंसने से तीन मजदूरों की मौत हो गई थी। लगातार हो रहे इन हादसों ने सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा समयबद्ध तरीके से बहाल करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है।

याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के 10 महीने बाद भी जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया है जिससे जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर असर पड़ रहा है और संघवाद की भावना का भी उल्लंघन हो रहा है।

इसमें कहा गया है कि राज्य का दर्जा बहाल होने से पहले विधानसभा का गठन जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार की शक्ति को गंभीर रूप से कम कर देगा, जिससे संघवाद की भावना का गंभीर उल्लंघन होगा जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है।

हाल ही में जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद तीन चरणों में विधानसभा चुनाव हुए। नतीजे मंगलवार को घोषित किए जाने हैं।

संविधान के अनुच्छेद 370 के संबंध में भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बयान पर भरोसा करते हुए यह सवाल खुला छोड़ दिया था कि क्या संसद किसी राज्य को एक या अधिक केंद्र शासित प्रदेशों में बदलकर राज्य का दर्जा को खत्म कर सकती है।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को पुनर्गठन अधिनियम की धारा 14 के तहत गठित जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए 30 सितंबर 2024 तक चुनाव कराने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया था और कहा था कि राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाएगा।

संविधान पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति एस.के. कौल, संजीव खन्ना, बी.आर. गवई और सूर्यकांत भी शामिल थे, ने संविधान के अनुच्छेद 3(ए) के तहत लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में बरकरार रखा, जो किसी भी राज्य से एक क्षेत्र को अलग करके केंद्र शासित प्रदेश के गठन की अनुमति देता है।

मौखिक सुनवाई के दौरान, एसजी मेहता ने अदालत को बताया था कि केंद्र कोई सटीक समय सीमा नहीं दे सकता है और जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल होने में कुछ समय लगेगा।

गुजरात के बनासकांठा में भीषण सड़क हादसा : अंबाजी से लौट रही यात्रियों से भरी बस पलटी, 4 की मौत, 25 घायल

बनासकांठा । आरएनएस

अंबाजी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस सोमवार को बनासकांठा जिले में भीषण सडक़ हादसे का शिकार हो गई। बस पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा इतना गंभीर था कि कुछ घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

यह दुर्घटना तब हुई जब श्रद्धालु अंबाजी मंदिर से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। बनासकांठा के पास बस अनियंत्रित होकर पलट गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग और पुलिस तुरंत बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

गुजरात के बनासकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल ने बताया, आज सुबह करीब 8:30 बजे एक लग्जरी बस अंबाजी से दर्शन कर लौट रही थी, जो त्रिशूल्या घाट के पास अचानक पलट गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है, 25 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर है।

रायबरेली में लोको पायलट की समझदारी : टला बड़ा रेल हादसा

नई दिल्ली । आरएनएस

उत्तर प्रदेश में रायबरेली-रघुराज सिंह पैसेंजर ट्रेन के सतर्क लोको पायलट की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। समझदार लोको पायलट ने ट्रैक पर जमा रेत को देखते हुए समय रहते ट्रेन रोक दी।

पायलट ने ट्रेन नंबर 05251 को बेपटरी होने से रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाया। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, रायबरेली के रघुराजपुर रेलवे क्रॉसिंग पर रात करीब 7.55 बजे अज्ञात डंपर ने रेलवे ट्रैक पर रेत डाल दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गंगा एक्सप्रेसवे पर मिट्टी डालने का काम चल रहा था और उसी काम में लगे एक डंपर ने ट्रैक पर रेत डाल दी और भाग गया। इसके तुरंत बाद रायबरेली से रघुराज सिंह शटल ट्रेन नंबर 05251 आई, जो धीमी गति से चल रही थी। ट्रेन की गति कम होने के कारण लोको पायलट ने ट्रेन को अचानक रोक दिया और दुर्घटना होने से बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यदि ट्रेन की गति अधिक होती तो वह पटरी से उतर सकती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि बाद में ट्रैक से रेत हटा दी गई और मार्ग पर रेल यातायात फिर से शुरू कर दिया गया।

इससे पहले 5 अक्टूबर को भी एक बड़ा हादसा टल गया था, जब लखनऊ जाने वाली ट्रेन को समय रहते रोक दिया गया था। उस समय ट्रैक पर एक कार चलती दिखी थी। यह घटना गोंडा-लखनऊ रेल खंड के पास हुई, जब गोरखपुर-लखनऊ इंटरसिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस के चालक ने ट्रैक पर एक कार देखी। चालक ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाया और ट्रेन को समय रहते रोक दिया।

इससे पहले, भारतीय रेलवे ने कहा था कि अगस्त से अब तक देश भर में ट्रेनों को पटरी से उतारने की 18 कोशिशें हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि जून 2023 से अब तक ऐसी 24 घटनाएं हो चुकी हैं।

दिनदहाड़े कलेक्शन एजेंट से 10 लाख की लूट, बाइक सवार बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

ग्रेटर नोएडा । आरएनएस

ग्रेटर नोएडा में दिनदहाड़े एक कलेक्शन एजेंट से बाइक सवार लुटेरों ने 10 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस जांच कर रही है। बदमाशों को पकडऩे के लिए कई टीम बनाई गई है। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी चेक किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के बीटा 2 कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ऐच्छर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने कलेक्शन एजेंट से 10 लाख की लूट को अंजाम दिया। सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना कर रहे हैं। इसके साथ ही पुलिस पीडित से पूछताछ कर रही है।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि घटना को अंजाम देने वाले बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश कासना की तरफ भाग निकले। पुलिस की कई टीम ने बदमाशों की तलाश में सर्च अभियान चलाया। लेकिन, अभी तक बदमाशों के बारे में कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाल रही है।

माना जा रहा है कि घटना को अंजाम देने वाले बदमाश घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। पुलिस की अलग-अलग टीम सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस घटना के बाद पुलिस लगातार आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। इस मामले में पीडित कलेक्शन एजेंट से भी पूछताछ की जा रही है कि इस रकम के बारे में किस-किस को जानकारी थी।